इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में 20 हजार करोड़ का निवेश, तीन लाख को मिला रोजगार

लखनऊ। प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के क्षेत्र में तीन साल में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और तीन लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। योगी सरकार का दावा है कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के क्षेत्र में निवेश और रोजगार में पांच साल के लक्ष्य को तीन साल में ही अर्जित किया है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में ओप्पो, सैमसंग, डिक्सन, हीरानंदानी ग्रुप, इंफोसिस तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी बड़ी कंपनियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में निवेश की शुरुआत की है। ओप्पो के साथ मिलकर तीन भारतीय तथा ताइवान की चार कंपनियां मिलकर टेगना क्लस्टर की स्थापना करने जा रही है। इसमें करीब दो हजार करोड़ रूपये का निवेश आएगा। उप्र. इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति-2017 के तहत तीस निवेशकों ने 20,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ब्यूरो

प्रयागराज व आगरा में स्थापित होंगे मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर

लखनऊ। मुख्य सचिव आरके तिवारी ने अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स की स्थापना का प्रस्ताव 20 जनवरी तक केंद्र सरकार को भेजने का निर्देश दिया है। वह बृहस्पतिवार को लोक भवन में प्रधानमंत्री की 'प्रगति' समीक्षा से जुड़ी परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। यूपीसीडा ने प्रयागराज व आगरा में मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर के लिए भूमि का चिह्नित करण किया है। इस पर मुख्य सचिव ने यूपीसीडा के एमडी को संबंधित प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने पीएचसी, सीएचसी और सिविल अस्पताल के साथ ही सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र खोलने का निर्देश दिया है। ब्यूरो